



# पशु चिकित्सा जन स्वास्थ्य एवं महामारी विज्ञान विभाग लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार

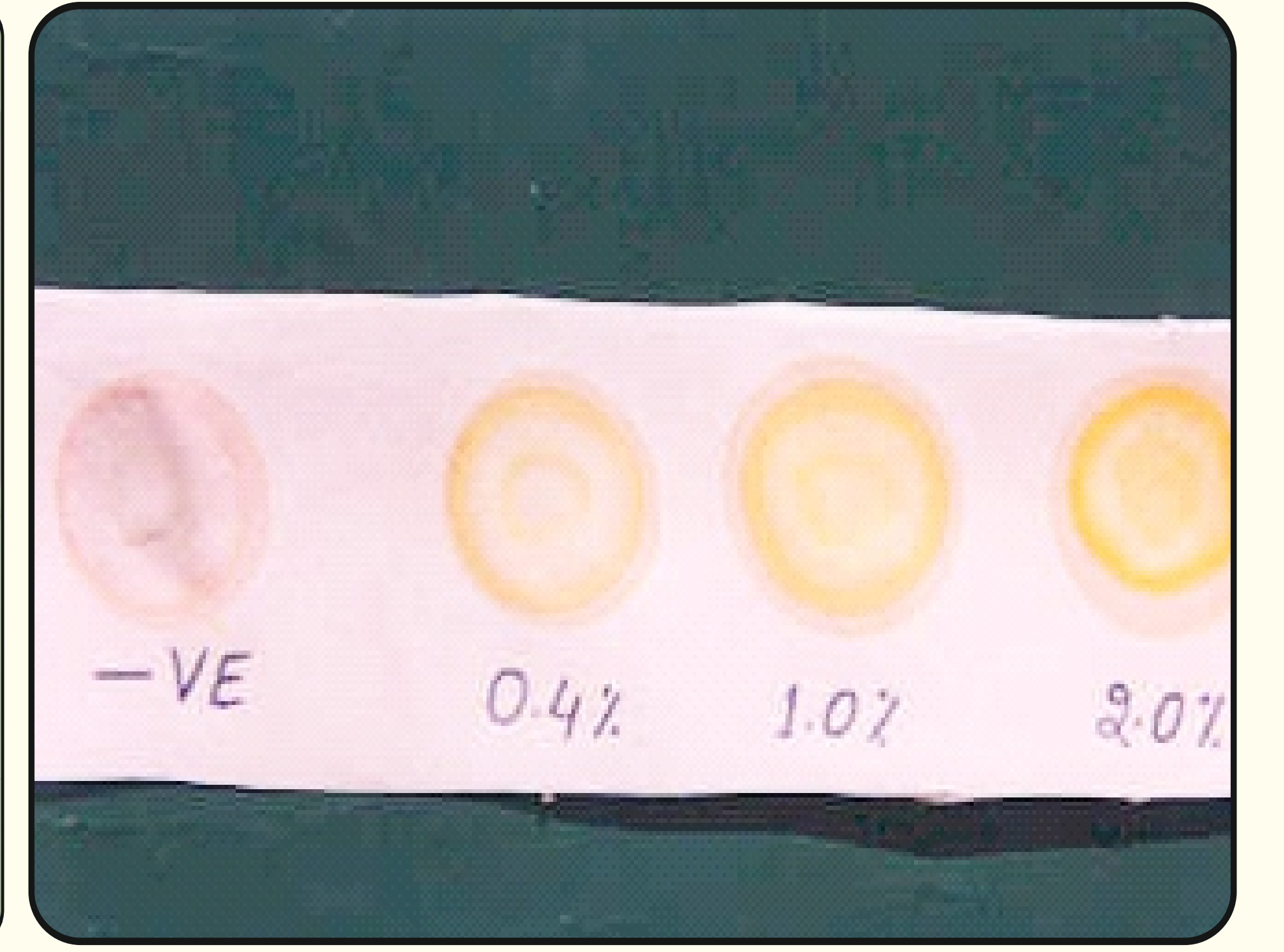


## फील्ड में बनावटी/नकली दूध में यूरिया की जाँच

1. फिल्टर पेपर पर गुलाबी रंग के टैस्ट द्रव्य की एक बूंद डालकर सूख जाने दे।
2. दूध के सैम्पल की एक बूंद, उसी फिल्टर पेपर पर द्रव्य की सूखी हुई बूंद पर डाल दें।

### पहचान

1. नकली/ यूरिया युक्त दूध: दूध की बूंद के चारों तरफ पीले रंग का घेरा उत्पन्न होना।
2. असली दूध / 0.2 प्रतिशत से कम यूरिया युक्त दूध: दूध के बूंद के चारो तरफ कोई रंग का न होना या हल्का गुलाबी ही रहना।



अगर यह संशय हो कि नकली दूध में असली दूध भी मिलाया गया है:

1. 10 मि.ली. दूध इतना उबाले कि आधा रह जाए और उपरोक्त टैस्ट करें।
2. सामान्यतः नकली दूध बनाने के लिए लगभग 1.0 प्रतिशत यूरिया का प्रयोग किया जाता है, जबकि असली दूध में यूरिया की मात्रा बहुत कम (0.07 प्रतिशत) होती है। इससे अधिक मात्रा में यूरिया का पाया जाना नकली दूध का संकेत करता है।

**IMPORTANT NOTE:** The milk urea detection test/kit is a research product for screening purpose for the public awareness and utility- The test/kit is not valid for any Medico-or Vetereo-legal cases.

**अधिक जानकारी एवं दूध की जाँच के लिए सम्पर्क करें**

**प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष,**

**पशु चिकित्सा जन स्वास्थ्य एवं महामारी विज्ञान विभाग**

**लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार**